

# बजाज मिल ने अभियान चलाकर पेड़ी व पौध गत्रे का किया सर्वे



पूर्णाानन्द बाजपेई सर्वे करती टीम

**गोला गोकर्णनाथ-खीरी  
-स्वतंत्र भारत-**

बजाज हिंदुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल गोला ने अभियान चलाकर पेड़ी प्रबन्धन हेतु गांव-गांव गोष्ठी के माध्यम से किसानों में जागरूकता पैदा कर रही है। चोटी बेधक कीट नियंत्रण हेतु चीनी मिल द्वारा कोराजन उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही साथ कुछ किसानों द्वारा लाइट ट्रेप भी अपने-अपने खेतों में लगाया गया है। गोष्ठी में किसान भाईयों से अपील की गई है कि अपने खेतों में कीट बीमारी की बराबर निगरानी करते रहें। यदि कहीं कोई कीट बीमारी में चीनी मिल के कर्मचारियों की आवश्यकता हो तो तत्काल

सूचना दे उसका तुरन्त निदान कराया जायेगा।

बजाज चीनी मिल गोला द्वारा 60 टीमों लगाकर गत्रा सर्वेक्षण का कार्य कराया जा रहा है। सभी टीमों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि प्रतिदिन 20 हे०. गत्रे की नाप करें और 20 जून तक गत्रा सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण कर लें। सर्वेक्षण के समय सही-सही गत्रा प्रजाति पेड़ी-पौधा व शरद बावक की विशेष निगरानी रखें। जो कृषक गत्रा समिति के सदस्य नहीं हैं वह 30 सितम्बर के अन्दर सदस्य बन जाये। साथ ही साथ मोबाइल नं०. बैंक खाता संख्या घोषणा पत्र भरकर अवश्य जमा कर दें यह जानकारी चीनी मिल के

अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा किसानों को घर घर जाकर दी जा रही है।

गत्रा सर्वेक्षण की जांच कर रहे चीनी मिल के वरि० महाप्रबन्धक गत्रा पी. एस. चतुर्वेदी द्वारा ग्राम पंचतौर, कबीरधाम व मुश्की में किसान गोष्ठी कर किसानों को समझाया कि कुछ पेड़ी गत्रे के खेतों में जुताई-गुड़ाई व उचित देखभाल नहीं किया गया है जिससे कि इन खेतों में खरपतवार दिखाई दे रहे हैं, इसकी गुड़ाई किया जाना अत्यन्त आवश्यक है, गुड़ाई करने से होने वाले लाभ के बारे में बताया कि कल्लों का फुटाव अधिक होगा तथा खर - पतवार खेत में रहने पर कीट पतंगों का प्रकोप अधिक पाया जाता है जिससे आपकी पैदावार 15-20 प्रतिशत कम हो जाती है। ऐसी स्थिति में गुड़ाई जुताई आवश्यक है।

गुड़ाई-जुताई के उपरान्त खरपतवार सूख जाने पर सिंचाई कर एन. पी. के. 12-32-16 अथवा 19-19-19 का घोल बनाकर छिड़काव करें। ऐसा करने से पेड़ी गत्रे की पैदावार अच्छी प्राप्त होगी। गोष्ठी में दीपक सिंह एसीडीओ व ज्ञान रत्नार्जु भी उपस्थित रहे।

# पेड़ी गन्ने में भी कृषि क्रियायें जरूरी

गोला गोकरण नाथ खीरी। बजाज हिंदुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल गोला ने अभियान चलाकर पेड़ी प्रबन्धन हेतु गांव - गांव गोष्ठी के माध्यम से किसानों में जागरूकता पैदा कर रही है। चोटी बेधक कीट नियंत्रण हेतु चीनी मिल द्वारा कोराजन उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही साथ कुछ किसानों द्वारा लाइट ट्रैप भी अपने - अपने खेतों में लगाया गया है। गोष्ठी में किसान भाईयों से अपील की गई है कि अपने खेतों में कीट बीमारी की बराबर निगरानी करते रहें। यदि कहीं कोई कीट बीमारी में चीनी मिल के कर्मचारियों की आवश्यकता हो तो तत्काल सूचना दे उसका तुरन्त निदान कराया जायेगा। बजाज चीनी मिल गोला द्वारा 60 टीमों लगाकर गन्ना सर्वेक्षण का कार्य कराया जा रहा है। सभी टीमों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि प्रतिदिन 20 हे०. गन्ने की नाप करें और 20 जून तक गन्ना सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण कर लें। सर्वेक्षण के समय सही - सही गन्ना प्रजाति पेड़ी - पौधा व शरद बावक की विशेष निगरानी रखें। जो कृषक गन्ना समिति के सदस्य नहीं हैं वह 30 सितम्बर के अन्दर सदस्य बन जाये।



साथ ही साथ मोबाइल नं०. बैंक खाता संख्या घोषणा पत्र भरकर अवश्य जमा कर दें यह जानकारी चीनी मिल के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा किसानों को घर घर जाकर दी जा रही है। गन्ना सर्वेक्षण की जांच कर रहे चीनी मिल के वरि० महाप्रबन्धक गन्ना पी. एस. चतुर्वेदी द्वारा ग्राम पंचतौर, कबीरधाम व मुश्की में किसान गोष्ठी कर किसानों को समझाया कि कुछ पेड़ी गन्ने के खेतों में जुताई - गुड़ाई व उचित देखभाल नहीं किया गया है जिससे कि इन खेतों में खरपतवार दिखाई दे रहे हैं, इसकी गुड़ाई किया जाना अत्यन्त आवश्यक है, गुड़ाई करने से

होने वाले लाभ के बारे में बताया कि कल्लों का फुटाव अधिक होगा तथा खर - पतवार खेत में रहने पर कीट पतंगों का प्रकोप अधिक पाया जाता है जिससे आपकी पैदावार 15-20 प्रतिशत कम हो जाती है। ऐसी स्थिति में गुड़ाई जुताई आवश्यक है। गुड़ाई - जुताई के उपरान्त खरपतवार सूख जाने पर सिंचाई कर एन. पी. के. 12:32:16 अथवा 19:19:19 का घोल बनाकर छिड़काव करें। ऐसा करने से पेड़ी गन्ने की पैदावार अच्छी प्राप्त होगी। गोष्ठी में दीपक सिंह एसीडीओ व जोन ईंचार्ज भी उपस्थित रहे।



# पेड़ी गन्ने में भी कृषि क्रियाएं कराया जाना जरूरी

## 29.05.2023

» गोष्ठी में अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी

### विशेष वार्ता संवाददाता

**शोला मोहम्मदनाथ-खीरी।** बाराबंकी विदुष्यालय शुगर लिमिटेड पीने मिल गोष्ठी में अधिकारियों का एक बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में गोष्ठी के माध्यम से किसानों में जागरूकता पैदा की गई।

आयोजित गोष्ठी में गोष्ठी कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से निर्यात करने के लिए गोष्ठी में किसानों को जागरूकता दी गई। साथ ही साथ कुछ किसानों द्वारा लवस्ट ट्रेप भी अपने-अपने क्षेत्रों में लगाए गए हैं। गोष्ठी में किसानों को बताया कि गोष्ठी के माध्यम से किसानों को जागरूकता दी गई है कि अपने क्षेत्रों में कीट नियंत्रण को बढ़ावा देना जरूरी है। यदि कोई कीट फलित क्षेत्रों में पीने मिल के कर्मचारियों को आसपास हो

तो तत्काल सूचना दे उमका सुचना निदान कराया जायेगा।

बाराबंकी पीने मिल गोष्ठी द्वारा 60 टीमों का एक कार्यक्रम का आयोजन कराया जा रहा है। सभी टीमों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि प्रतिदिन 20 हे.ठ. गन्ने को जांच करें और 20 जून तक गन्ना सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण कर लें। सर्वेक्षण के समय खेती - खेती गन्ना प्रजाति पेड़ों - पौधों व शरद कायक को विशेष निगरानी रखें। जो कृषक गन्ना सर्वेक्षण के सदस्य नहीं हैं वह 30 सितंबर के अन्दर सदस्य बन जायें। साथ ही साथ मोबाइल नं., बैंक खाता संख्या घोषणा पत्र भरकर अग्रिम जमा कर दे यह जानकारी पीने मिल के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा किसानों को घर-घर जाकर दी जा रही है।

गन्ना सर्वेक्षण को जंच कर रहे पीने मिल के वरिष्ठ महासंचालक गन्ना पी.



बाराबंकी पीने मिल के अधिकारियों क्षेत्रों में जाकर गन्ने में लगी बीमारी को निर्दिष्ट करने की दे रहे जानकारी

एस. धनुर्वेदी द्वारा छात्र पंचायत, कसौंधा व मुफ्ती में किसान गोष्ठी कर किसानों को समझाया कि कुछ पेड़ों गन्ने के क्षेत्रों में जुड़ाई - जुड़ाई व उचित देखभाल नहीं किया गया है।

जिसमें इन क्षेत्रों में खरपतवार दिखाई दे रहे हैं, इसको मुड़ाई किया जाना आवश्यक है। मुड़ाई करने से होने वाले लाभ के बारे में बताया कि कालो व फुटाव अधिक होगा तथा खर - पतवार

क्षेत्र में रहने पर कीट फलित का प्रकोप अधिक पाया जाय है जिससे आपकी पैदावार 15-20 प्रतिशत कम हो जाती है। ऐसी स्थिति में मुड़ाई - जुड़ाई आवश्यक है।

पु  
वि  
उ  
वि  
रे  
पु  
उ  
प  
म  
स  
प  
र  
ह  
प  
ह  
ह  
ह